



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 110]  
No. 110]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 1, 1978/ज्येष्ठ 11, 1900  
NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 1, 1978/JYAISTHA 11, 1900

इस भाग में विभिन्न पृष्ठ संख्या ही जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

बाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता भवालय  
(बाणिज्य विभाग)

सार्वजनिक सूचना सं. 37-प्राई० टो० सी० (पी० एन०)/78  
नई दिल्ली, 1 जून, 1978

आयात व्यापार विभाग

विषय कासीसी ऋण, 1977-78 के आधीन जारी किए गए आयात लाइसेंसों के लिए लागू लाइसेंस शर्तें

सिं. सं. 30 आई० सी० सी०/39/9/76 —कासीसी ऋण, 1977-78 के प्रधीन आयात लाइसेंसों के लिंगमन को नियंत्रित करने वाली शर्तें जो इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं आनकारी के लिए अधिसूचित की जाती हैं।

सार्वजनिक सूचना सं. 37-प्राई० टो० सी० (पी० एन०)/78 दिनांक

1-6-1978 के लिए परिशिष्ट

1 आयात लाइसेंस

1 आयात लाइसेंस लागत-बीमा-भाड़ा के आधार पर सविक्षा करने के लिए चार महीने और पातलदान पूर्ण करने के लिए 12 महीने की प्रारम्भिक वैधता प्रवधि के लिए जारी किया जाएगा। लेकिन प्रत्येक भाल के आयातों के भास्तु में पोतलदान पूर्ण करने के लिए लाइसेंस की प्रारम्भिक वैधता जारी होने की तिथि से 24 महीनों के बिंदु होती।

2 आयात लाइसेंस का रूपये में मूल्य, राजस्व (सीमाशुल्क) विभाग द्वारा प्रधिसूचित और आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि फो प्रचलित और मुक्य नियन्त्रण, आयात-नियंत्रित द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचना 248 GI/78 —।

मा० 78 प्राई० टो० सी० (पी० एन०)/74 दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा 2 के अनुसार आयात लाइसेंस (सो) के मुक्य भाग में निर्दिष्ट मुद्रा विनिमय की दर से सन्दर्भ में निर्धारित किया जाएगा, वह सार्वजनिक सूचना यह भी व्यक्तिगत करती है कि सीमाशुल्क प्राधिकारी और विवेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस (सो) में निर्दिष्ट मुद्रा विनिमय की दर पर लाइसेंस (सो) के मूल्य के नाम अद्याकरन करेंगे।

3 प्रत्येक लाइसेंस पर एक शीर्ष “कासीसी ऋण परियोजना भाग” या “कासी ऋण गैर-परियोजना भाग”, जैसा भी भास्तु हो जाएगा। लाइसेंस कोड वर्गीकरण संबंध में दो प्रत्यय “एस/एफई” परियोजना के लिए और “एम/एफएन” गैर-परियोजना के लिए होंगे।

4. आयात लाइसेंस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर आयातकों द्वारा लाइसेंस की संख्या, दिनांक तथा मूल्य और जिस तिथि तक सविक्षा दस्तावेज प्रस्तुत किए जाएंगे उसकी मापदण्ड तिथि निर्दिष्ट करते हुए आयात लाइसेंस की प्राप्ति के तथ्य से ग्राहिक कार्य विभाग (डब्ल्यू ई-1 भनुपाल) को प्रवर्गत करता चाहिए।

5 यह तक नीचे के पैरा 25 की शर्त के अनुसार सविक्षा दस्तावेज धारा महीने की निर्धारित प्रवधि के भीतर प्रस्तुत नहीं कर दिए जाते तब तक यह नहीं समझा जाएगा कि सविक्षा करने से सब्जित शर्तों का प्रतुपालन कर दिया गया है।

6 जिस मामले में इस अनुबंध का जार महीने के भीतर अनुपालन नहीं किया जाएगा, उसमें आयात लाइसेंस ग्रैविट समझा जाएगा। लेकिन पार्टी द्वारा आयात लाइसेंस की शर्तों का नमय के भीतर, अनुपालन (711)

न करने के कारण बताते हुए मूल लाइसेंस के साथ प्रावेन्यात्र लाइसेंस प्राधिकारी को देते पर आयात लाइसेंस पुर्णवैध किया जा सकता है।

7. पुर्णवैधिकरण के लिए ऐसे आदेशों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा गुणाग्रण के आधार पर चिनार किया जाएगा जो अधिक से अधिक चार महीनों की ओर आगे अशक्ति के लिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन, यदि वृद्धि आयात लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीने से अधिक मात्रा गई है तो ऐसे प्रस्ताव लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा निरक्रियाद रूप से प्राधिक कार्य विभाग (इल्यू ई-1, अनुभाग), वित्त मंत्रालय, नाम घटक, नई दिल्ली को भेजे जाएं।

## 2. संविदा करना

8. कांसीसी अट्टण के प्रधीन जारी किए गए लाइसेंस के प्रति केवल एक ही संविदा निश्चित कीमत के आधार पर कांसीसी संभरक के साथ करनी है।

9. लेकिन एक, आयात लाइसेंस के प्रधीन एक से अधिक संविदाएं तभी की जा सकती हैं जबकि आदेश देने से पहले ऐसा करने के कारण बताते हुए अधिक कार्य विभाग में विशेष रूप से अनुमति प्राप्त कर ली गई हो।

10. नीथे अण्ड 5 में निर्धारित क्रियाविधि के अनुसार जब एक बार संविदा अधिसूचित कर दी गई तो उसके बाद उसमें मुख्य संविदा के मूल्य के 10 प्रतिशत से अधिक सकलनों के तरीके से भी संशोधन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

यदि किसी मामले में भारतीय आयातक को यह अनुभव हो जाता है कि मुख्य संविदा में इसके मूल्य से 10 प्रतिशत से अधिक वृद्धि के लिए संशोधन करने आवश्यक होंगे तो उसके बाद उसमें मुख्य संविदा के मूल्य का 10 प्रतिशत से अधिक सकलनों के तरीके से भी संशोधन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

11. संविदा में सामान्यतः दोनों पार्टियों अर्थात् भारतीय आयातक और कांसीसी संभरण द्वारा हस्ताक्षरित एक समझौता शामिल होगा अथवा इसमें भारतीय आयातक द्वारा दिया गया आदेश और कांसीसी संभरण द्वारा स्पष्ट रूपों में उस आवेदी की स्वीकृति का पत्र शामिल होगा।

12. जिस संविदा में दोनों पार्टियों के बीच विभिन्न शर्तों को बार-आर संशोधित/परियोजित करने के पक्षालारों की श्रृंखला शामिल होगी वह स्वीकार नहीं की जाएगी। ऐसे मामलों में दोनों पार्टियों द्वारा स्वीकार भी गई और हस्ताक्षरित शर्तों सहित एक अन्तिम वस्तावेज तैयार करने की सलाह दी जाती है। समुद्रागार संभरकों के भारतीय अधिकारियों के लिए आदेश और/या ऐसे भारतीय अधिकारियों द्वारा आदेश के लिए पुष्टिकरण स्वीकार नहीं किए जाते हैं।

## 3. संविदा की शर्तें

13. संविदा लागत-वीमा-भाड़ों के उधार पर करनी चाहिए। यदि वीमा किसी भारतीय वीमा कम्पनी की भारतीय रूपये में चुकाया जाता है तो संविदा लागत तथा भाड़ों के आधार पर की जा सकती है, जो कि सरकारी अधिकरण या सरकारी क्षेत्र के संस्थानों द्वारा हस्ताक्षरित संविदाओं के लिए प्रत्येक मामले में अनिवार्य है। लागत-वीमा-भाड़ा संविदाओं के मामले में संविदा में जहाज पर्यन्त निःशुल्क कीमत, भाड़ा, वीमा और लागत तथा भाड़ा संविदाओं के मामलों में जहाज पर्यन्त निःशुल्क कीमत और भाड़ा एवं स्पष्ट रूप से अलग-अलग निर्विष्ट होने चाहिए।

यदि कोई आयातक जहाज पर्यन्त निःशुल्क आधार पर संविदा करना चाहता है तो ऐसा करने के कारण देते हुए अधिक कार्य विभाग (इल्यू ई-1, अनुभाग), वित्त मंत्रालय नई, दिल्ली से पूर्व अनुमति मांगनी चाहिए।

14. यदि फैज़ संभरक के भारतीय अधिकारी को कोई कमीशन चुकाया जाता है तो यह संविदा के मूल्य से अलग फ्रांसीसी फैज़ में दिखाया जाएगा। भारतीय अधिकारी का कमीशन भारत में रुपये में चुकाया जाएगा परन्तु आयात लाइसेंस के कुल मूल्य के प्रति जोड़ा जाएगा।

15. संविदा का रूपये में मूल्य आयात लाइसेंस के लिए लागू मुद्रा विनियम की दर के अनुसार निश्चित किया जाएगा। देखिए उपर्युक्त पैरा 2।

संविदा की मूल्य सीमाएँ:—

16. प्रत्येक संविदा का मूल्य निम्नलिखित प्रत्येक प्रेणी के मामले निर्विष्ट धनराशि में कम होना चाहिए:—

फौटो फैक

(1) बृहत् (भारी) औद्योगिक परियोजनाएँ, और भारी उपस्कर (परियोजना लाइन) के लिए परियोजनाएँ	5,000,000
(2) पूंजीगत माल (परियोजना लाइन)	3,00,000
(3) उर्वरक (गैर-परियोजना)	5,00,000
(4) अन्य (गैर-परियोजना लाइन)	60,000

17. माल कांस मूल का होना चाहिए। माल के उद्गम स्थान के विषय में संविदा में एक अनुबन्ध समाखिष्ट होना चाहिए। जहाँ कहीं ऐसे माल के एक भाग की स्वीकृति दी जाती है जो गैर-कांस उद्गम का हो सो तीसरे क्षेत्र के आयातों के लिए कांसीसी प्राधिकारियों के अनुमतिवाल का साक्ष्य प्रदानित करने वाला एक पत्र संविदा के साथ होना चाहिए।

पोतलवाल का पत्तन

18. यदि आधारयक हो तो माल गैर-कांसीसी पत्तनों से भी लादा जा सकता है।

भुगतान की शर्तें

19. कांसीसी ब्रेकिट में आस्थगित भुगतान की व्यवस्था नहीं है। इसलिए कांसीसी संभरक को पूरा भुगतान पोतलवालों पर/निर्माण पूरा हो जाने पर संयंत्र के नियोजित ही जाने पर तीने की कंडिकाओं में निर्विष्टानुसार किया जाएगा।

20. अग्रिम भुगतान : संविदा लागू होने के मूल्य अनुसार जाने वाली संभरणों की जहाज पर्यन्त निःशुल्क कीमत से कम से कम 5 प्रतिशत अग्रिम भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। अन्य शर्तों जो किसी विशेष प्रकार के भवित्व माल के लिए सामान्य अन्तर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक प्रणाली के अनुसार प्रतिक्रिया और विकलान्धों के बीच तथ की जाती हैं, की भी व्यवस्था की जा सकती है।

21. लेकिन जिस मामले में 5 प्रतिशत से अधिक अग्रिम भुगतान के लिए व्यवस्था करनी हो उसमें कोई वचनबद्धता करने से पहले पूर्ण औद्योगिक के साथ अधिक कार्य विभाग का पूर्व अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिए।

22. अन्य भुगतान : (क) औद्योगिक परियोजना:—तत्क्षण भुगतान की धनराशि के प्रतिरिक्षित शेष धनराशि संविदा के प्रधीन उपस्कर के अन्तिम पोतलवाल के समय, या निर्माण के पूर्ण होने के मूल्य या संयंत्र के नियोजित हो जाने के मूल्य चुकाने की अनुमति है।

जिस मामले में संविदा के अन्तिम आने वाले संभरण/सिवाएं ऐसी हो कि उनमें ऐसी एक नियापदन गारंटी की आपको आवश्यकता हो जिसमें इस संबंध में एक अनुबन्ध की आवश्यकता हो कि 10 प्रतिशत की अन्तिम कितन माल के वितरण के पूर्ण होने या परियोजना पूर्ण होने के पर्याप्त

समय के बाद तक देय नहीं होगी तो ऐसे मामले में आयातकों को चाहिए कि ५४ जून 100 प्रतिशत भुगतान अस्तित्व पोतलवान के समय करने की शर्त से सहमत हो जाए और यह इस शर्त के अधीन है कि फासीसी संभरक द्वारा भारतीय आयातक को किसी अनुमोदित बैंक से एक तिवादन गारंटी प्रस्तुत की जाती है, तो ऐसी गारन्टी अन्तिम पोतलवान के माल के वितरण के पर्याप्त समय जो भारतीय आयातक और फासीसी संभरक के बीच आपम में तथ किया जाए, के बाव मुक्त की जानी आहिए।

लेकिन, भुगतान परियोजना की किस्म पर निर्भर करता है, औद्योगिक परियोजनाओं के लिए संविधानों के लिए भुगतान की व्यवस्था भी नीचे उप-कडिका (ख) में वर्णित पर्याप्त वस्तुओं की तरह की जा सकती है।

(ख) पर्याप्त वस्तुओं :—पर्याप्त वस्तुओं (हल्के उपस्कर, फालन्दू पुर्जे, संघटक, रसायन, उर्वरक अन्य कल्जी मामग्री आदि) के लिए संविधानों में लक्षण भुगतान के बाव शेष धनराशि प्रत्येक लदान द्वारा शामिल माल के मूल्य के अनुसार पोस्ट परिव्यय अनुमूल्की के आधार पर यथा अनुपान देय होती।

#### अन्य शर्तें

23 फासीसी क्रेडिट के अन्तर्गत संविधा को वितवान के लिए घर्हक होनाने के लिए ऊपर निर्दिष्ट उपबन्धों के प्रतिरिक्षण और संविधा करने वाली पार्टियों द्वारा आवश्यक समझे जाने वाले किसी अन्य उपबन्धों के भी प्रतिरिक्षण इसमें निम्नलिखित उपबन्ध भी उचित रूप से समाविष्ट होने चाहिए :—

- (1) संविधा करने वाली दोनों पार्टियों महमत है कि संविधा भारत-फासीसी शर्तों के अनुसार और उसके अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा जारी की गई लाइसेंस शर्तों के अनुसार विशेष फासीसी क्रेडिट के अन्तर्गत वितवान के लिए भारतीय और फासीसी प्राधिकारियों के अनुमोदन के अधीन है।
- (2) फासीसी संभरक सहमत है कि भारतीय और फासीसी प्राधिकारियों द्वारा संविधा के अनुमोदन के बाव महायता लेखा तथा लेखापरीक्षा नियत्रक, वित्त भवालय द्वारा जारी किए गए अनुदेश पत्र के आधार पर बैंक्यु फाकाएसी इन्यू कामस एक्स-टिरीयूर, पेरिस को दस्तावेज प्रस्तुत करने पर उसको फासीसी फैक्स में भुगतान किया जाएगा।
- (3) भारतीय आयातक और फासीसी संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेज प्रस्तुत करने को महमत है जो भारत सरकार और फासीसी सरकार के बीच फासीसी क्रेडिट व्यवस्थाओं के अन्तर्गत माने जाएँ।

#### प्रथागत गारन्टी

24. आयातक समझौते में ऐसी प्रथागत गारन्टी (या) की व्यवस्था कर सकता है और वे मकान हैं जो उसके हित की सुरक्षा के लिए आवश्यक होते हैं।

#### 4 संविधा दस्तावेजों का प्रस्तुतीकरण

25. संविधा समाप्त होने के 20 दिन के भीतर आयातक को निम्नस्तिवित दस्तावेजों के साथ एक पत्र वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (इन्डियन अनुभाग) नार्थ ब्लाक, नई विल्ली को भेजना चाहिए।—

- (1) भारतीय आयातक और फासीसी संभरक दोनों द्वारा इन्डियन और अंग्रेजी भाषा में विधिवत् कार्यान्वय संविधा और बाव में किए गए किसी संशोधन (नो) की 10 प्रमाणित प्रतियों /

(2) आयातक द्वारा फासीसी संभरक को दिए गए आदेश की फासीसी संभरक द्वारा संविधा स्वीकृति की निष्पादन तिथि की संविधा करने के लिए वैध आयात लाइसेंस की दो फोटो प्रतियो।

(3) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्राधिकृत विवेशी मुद्रा के व्यापारी अनुसूचित बैंक में बैंक गारंटी (अनुबन्ध-1 के अनुसार) यह बैंक गारंटी मरकारी विभाग और मार्वेजनिक संस्थानों द्वारा प्रस्तुत नहीं की जानी है। “प्रोजेक्ट क्रेडिट” के अधीन आयातों के मामले में आयातकों के बैंक में द्वारा प्रेषित अनुबन्ध-1 में सर्वान्वित बैंक गारंटी में संशोधन किया जाए :

(1) निम्नलिखित खड़ को पैरा 9 के उपनिवेरा 2 के रूप में निविष्ट किया जाए :—  
“लेकिन इस बैंक गारंटी के अधीन ..... . . .  
(बैंक का नाम ..... का वायित्व उम सीमा तक कम हो जाएगा जितन कि वह विधिवत् सरकार को या तो .....  
(बैंक का नाम)  
या संबंधी ..... . . . द्वारा भुगतान कर देता है  
(आयातक का नाम)

प्रीर सरकार बैंक को ऐसे भुगतान की विद्धि सूचन देवेती है।”

(2) बैंक गारंटी के पैरा 3 के अंत में निम्नलिखित प्रक्रिया जोड़ी जाए :—  
“... . और हम वाण्ड के अधीन .....  
(बैंक का नाम)  
का वायित्व के सम्पूर्ण, अप्रतिबद्ध पत्र अपरिवर्तनीय होने रो हम..... आयातकों द्वारा उठाये  
(बैंक का नाम)

गण किसी भी विवाद या विवादों या किसी न्यायाधिकार में किसी मुकदमे या कार्रवाई के विचाराधीन होने पर भी मारी गई धनराशि सरकार को बेने की प्रतिज्ञा करते हैं एव बचत देते हैं।”

#### 5 संविधा की अधिसूचित करना

26. संविधा आर्थिक कार्य विभाग द्वारा आर्थिक कार्यों के मनाहकार फासीसी दूनावाम, नई विल्ली को अधिसूचित की जाएगी, यदि यह पूर्ण है, दस्तावेज बैंक गारंटी आवि सहित सही है तो आयात लाइसेंस संविधा करने के लिए वैध है और फासीसी क्रेडिट के प्रयोग वित्तवान के लिए अहंक समझा जाएगा।

27. संविधा उपर्युक्त अनुसार आर्थिक कार्य विभाग द्वारा इसकी अधिसूचना के 20 दिनों के बाव लागू समझी जाएगी दस्तावेज के इस अवधि के भीतर फासीसी दूनावास द्वारा कोई आपत्ति नहीं उताई जाती।

#### 6. भुगतानों के तरीके

28. संभरक को भुगतान बैंक्यु काकाएसी इन्यू कामस एक्स-टिरीयूर पेरिस को अनुबन्ध-3 में सूचीबद्ध दस्तावेज प्रस्तुत करने पर फासीसी राजकोष अर्ण और बैंक क्रेडिट में संविधा प्रमाणी होने पर, सहयता लेखा और लेखा परीक्षा नियत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, युनाइटेड कार्मसियल बैंक चिल्ड्रिंग, पर्लियामेट स्ट्रीट, नई विल्ली द्वारा जारी किए जाने वाले “अनुदेश-पत्र” के आधार पर किए जाएंगे।

29. फासीसी क्रेडिट के अन्तर्गत जारी किए गए आयात लाइसेंस के ग्रहीन नामों की शर्त 31 के भिन्न भारत में फासीसी भी धन परेवण की अनुमति नहीं है।

30. ऊपर उल्लिखित अनुदेश पत्र के अनुसार भुगतान प्रभावी हो जाने के सुरक्षा बैंक प्रभारों (एक प्रतिशत दस्तावेजीकरण खर्च का है उस पर 17.60 प्रतिशत की दर से कर) और डाक खर्च प्राप्ति के व्यूरों के साथ दस्तावेजों (पराक्रान्त) का मूल सेट, बैंक्यू, फ्रॉकाप्सी ड्यू कामर्स एक्सीटीरीयूर, पेरिस द्वारा निम्नलिखित को लेजा जाएगा:—

(1) भारत में आयातक के उम बैंक को जिसने निजी थेव्र के नियांतों के मामले में बैंक गारन्टी प्रदान की है, या

(2) सार्वजनिक थेव्र, प्रकमो, राज्य सरकारों जिसमें राज्य विश्वात बोई भी शामिल है और केंद्रीय सरकार के विभागों के मामले में भारत के स्टेट बैंक की मनोनीत शाखा की या राष्ट्रीयकृत बैंकों में से किसी एक बैंक द्वी।

31. बैंक्यू फ्रॉकाप्सी ड्यू कामर्स एक्सीटीरीयूर, पेरिस से बैंक प्रभारों की सूचना प्राप्त करने के मात्र दिनों के भीतर ही भारतीय बैंक केवल प्रभारों सहित बैंक प्रभारों और डाक खर्चों की धनराशि को भारत सरकार के लेखे प्रमाणित किए जिना फास के मध्य बैंक को सीधे ही प्रेषण करेगा।

32. इस कार्य के लिए, उनकी गारंटी के अन्तर्गत अपेक्षित धनराशि के अलावा भारतीय बैंक द्वारा भारतीय आयातक से आवश्यक रूपये बसूल किए जाएंगे।

33. केन्द्रीय सरकार के विभागों द्वारा आयातों के मामले में केवल प्रभारों सहित बैंकिंग प्रभारों एवं डाक खर्चों के प्रेषण की व्यवस्था केन्द्रीय सरकार के विभागों के उन बैंकों द्वारा की जाएगी जिन दस्तावेज भेजे जाते हैं।

#### 7. रूपये में भुगतान को प्रभावित करना

34. (1) राज्य विश्व बोर्डों सहित निजी थेव्र के आयातक, सार्वजनिक थेव्र के प्रकम एवं नार्ज सरकार के विभाग—ऊपर की कठिका 30 में उल्लिखित दस्तावेजों की प्राप्ति के प्रथिक से प्रथिक 10 दिनों के भीतर ही जिस बैंक ने गारन्टी जारी की है वह या भारत के स्टेट बैंक की सहित शाखा अथवा राष्ट्रीयकृत बैंकों बीजक में यथा संकेतित विवेशी संभरकों को किए गए भुगतान ... के समतुल्य रूपये जमा करने की व्यवस्था करेगा और मात्र ही संभरकों का किए गए भुगतानों का मूल्य 1 प्रतिशत की दर से कमीशन और आक्रमिक प्रभाव भी करेगा। उसके अतिरिक्त विवेशी संभरकों को किए गए भुगतान एवं समतुल्य रूपये जमा करने की तारीख के बीच की वास्तविक अवधि के लिए सार्वजनिक सूचना संख्या 46 आईटी सी (पी एन)/76 दिनाक 16-6-76 के अनुसार प्रथम तीस दिनों के लिए 9% वार्षिक व्याज और इनसे प्रथिक अवधि के लिए 15% वार्षिक व्याज या अन्य कोई धनराशि जिसकी अपेक्षा भारत सरकार से की जाएगी, उसे भी सरकारी खाते में चुकाया जाएगा।

समतुल्य रूपये आकलन सार्वजनिक सूचना संख्या 108 आईटी सी (पी एन)/72, दिनाक 21-7-72 तथा 8-आईटी सी (पी एन)/76, विनाक 17-1-76 द्वारा यथा समोधित वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना संख्या 15-आईटी सी (पी एन)/72, दिनाक 28-1-72 में लिए गए फार्मूले के आधार पर मिली जुली दर पर किया जाएगा या मूल्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से समय-समय पर अधिसूचित सूचनाओं के आधार पर किया जा सकता है।

(2) केन्द्रीय सरकार के विभाग—केन्द्रीय सरकार के विभागों द्वारा किए गए आयातों के मामले में भी ऊपर कठिका 30 में उल्लिखित दस्तावेज उनके बैंकर की सीधे ही भेजे जाएंगे। ये बैंक इसके बदले में इस बात का सुनिश्चय करेंगे कि विभाग महायना लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को सूचना देते हुए (नीचे की कठिका 36 देखें) सार्वजनिक

सूचना सं० 74-आईटी सी (पी एन)/74, दिनाक 31-5-74 में निर्धारित प्रपत्र में चालान द्वारा रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया तीस हजारी में या भारत सरकार के खाने के लिए स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी के नाम में डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा रूपया जमा कराते हैं। वह लेखा शीर्षक जिस के अन्तर्गत रूपया जमा किया जाता है वह इन प्रकार है “843 विविल डिपोजिट्स फार परवेजेम एमेंट्रा प्रब्रॉड—डिपोजिट्स प्रन्हर फैंच फ्रेडिट फार 340 मिलियन फैंच फ्रेजेम फार 1977-78” व्याज के भुगतान के बारे में अत्रस्या केन्द्रीय सरकार के विभागों के लिए लागू नहीं होती।

35. भारत में यिस मम्बद्ध बैंक ने गारन्टी दी है या भारत के स्टेट बैंक या 14 राष्ट्रीयकृत बैंकों में से किसी एक, जैसा भी मामला हो, को यह सुनिश्चय करने देय धनराशि सरकारी लेखे में ठीक तरह से जमा की गई है।

36. जमा या तो भारत के रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में, या भारत के स्टेट बैंक की स्थानीय शाखा या इसके उपसंचार से डिमान्ड ड्राफ्ट के माध्यम से भारत के स्टेट बैंक की तीम हजारी शाखा, दिल्ली-6 (प्रावेशी तथा प्राप्ति) के नाम में और लेडिट के लिए उसे केन्द्रीय सरकार के लेखे में जमा करने के लिए सार्वजनिक सूचना सं० 74-आईटी सी (पी एन)/74, दिनाक 31-5-74 द्वारा यथा समोधित वाणिज्य भवानाम्य की सार्वजनिक सूचना मंज्या 184 आईटी सी (पी एन)/68, विनाक 30-8-1968 तथा सार्वजनिक सूचना सं० 233 आईटी सी (पी एन)/68, दिनाक 14 अक्टूबर, 1968 के अनुसार धन प्रेषण किया जा सकता है। अत्यन्त बातों के साथ मात्र चालान में अनुदेश पत्रों की संख्या और विवाक, विवेशी मुद्रा की धनराशि लागू की गई मिश्रित दर, संभरकों को भुगतान की तिथि और रूपया जमा करने की तिथि तथा अन्य सभी आवश्यक और जो सार्वजनिक सूचना संख्या 132 आईटी सी (पी एन)/71, दिनाक 5-10-71 एवं सार्वजनिक सूचना सं० 74 आईटी सी (पी एन)/74, दिनाक 31-5-74 में निर्धारित किए गए हैं, सकेतित होने चाहिए। मूल धनराशि, 1 प्रतिशत यथा मूल्य की दर से आकस्मिक प्रभार और सार्वजनिक सूचना संख्या 46 आईटी सी (पी एन)/76, दिनाक 16-6-76 के अनुसार 9%/15% की दर से व्याज भुगतान को अलग अलग वर्षाना चाहिए और साथ ही जिस अवधि के लिए व्याज वसूला गया है, उसे भी वर्षाना चाहिए। व्याज की गणना करते समय यह मूल धनराशि जमा 1 प्रतिशत यथा मूल्य की दर से आकस्मिक प्रभार होता। डिमान्ड ड्राफ्ट राजकोष चालान (विधिवत् पूर्ण और प्रेषण द्वारा हस्ताक्षरित) के साथ चार प्रतियों में भारत के स्टेट बैंक, दिल्ली-6 को सीधे ही भेजना चाहिए। लेखा शीर्षक जिसके अन्तर्गत धनराशि जमा होना है, वह है “के डिपोजिट्स एड प्रब्रामिज (बी) डिपोजिट्स नाट विधिवत् इन्टरेस्ट 843-विविल डिपोजिट्स फार परवेजेम काम एमेंट्रा प्रब्रॉड 340 मिलियन एक एक जनरल लेडिट 1977-78”

37. राजकोष चालान की एक प्रति और एक प्रपत्र जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि रूपया निशेप विधिवत् भारत में रिजर्व बैंक या भारत के स्टेट बैंक, तीम हजारी शाखा दिल्ली-6 द्वारा प्राप्त कर लिया गया है या डिमान्ड ड्राफ्ट प्रस्तुत करने के सम्बन्ध में सूचना सम्बद्ध बैंक द्वारा सहायता लेखा नियंत्रक को उनके द्वारा जारी किए गए निदेश पत्र का उल्लेख करते हुए और बीजक तथा पोतलशास दस्तावेजों की प्रतियों की भी मंलग्न करते हुए रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजी जानी चाहिए। राजकोष चालान के नवीनतम आकार के अन्तर्गत टिप्पणी के अनुसार डिमान्ड ड्राफ्ट को दर्ज करने की तारीख ही सरकार के खाने में समतुल्य रूपए जमा करने की तारीख समझी जाएगी। आयातकों से सही अवधि के लिए व्याज की वसूली का निश्चय करने के लिए यह आवश्यक है।

कि डिमार्ट ड्राइव को जिस तारीख को दर्ज किया जाता है उम्हीने सूचना प्रत्येक भासले में निरपेक्ष रूप से सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियन्त्रक को भेज दी जाती है।

38. आयातक के लिए आवश्यक होगा कि यह वह आवश्यक स्पष्ट केवल आपाती के भाव्यम से ही जमा करें। भारतीय बैंक भी आयात लाइसेंस की विवेशी मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पर रूपया निषेपों की धननगणि का पृष्ठांकन करेगा और आवश्यक 'एम' प्राप्ति को भारत के रिजर्व बैंक, बम्बई को भेजेगा।

आयातक द्वारा किए गए रूपया निषेपों की पुरीक्षा :-

39. पोतलदान पूर्ण होने ही, परन्तु अंतिम पोतलदान पारित होने के एक महीने से अधिक नहीं, आयातक के बैंक द्वारा अनुबन्ध 4 में दिए गए प्रपत्र में पजीहत डाक द्वारा एक विवरण महाप्रता लेखा और लेखा परीक्षा नियन्त्रक, आधिक कार्य विवाद, यह सी ओ बैंक बिलिङ, पालियामेंट न्यूट, नई दिल्ली को आयातक की सूचना देते हुए भजा जाएँ। आयातक के लिए यह सुनिविल करता अनिवार्य होगा कि संबद्ध बैंक द्वारा अनुबन्ध-4 का प्रपत्र ठीक तरह से बैरार किया गया है और संबन्धित अनुबेश पत्र में प्रधिकृत पोतलदानों के पूर्ण होने के एक महीने के भीतर वह प्रपत्र सहायता लेखा और लेखा परीक्षा नियन्त्रक को भेजा गया है।

आयातक के बैंक की जानकारी में आपने पर या सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियन्त्रक द्वारा संकेत करने पर किसी भी कम निषेप की तुरन्त सुधार दिया जाएगा और प्राप्त किए गए संबद्ध राजकोष आलान की प्रति आयातक के खाते को बद्द रखने के प्रयोजनार्थ महाप्रता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियन्त्रक को भेज दी जाएगी।

"प्रोजेक्ट क्रेडिट्स" के अधीन आयातों के भासले में आयातकों के बैंकसे द्वारा प्रेषित अनुबन्ध-1 में संदर्भित बैंक गारन्टी में संशोधन किया जाएः-

(1) निम्नलिखित खण्ड को पैरा 9 के उप पैरा 2 के रूप में निर्विल किया जाएः—

"सेकिन इम बैंक गारन्टी के अधीन ..... का (बैंक का नाम)

शायित्र उम सीधा तक कम हो जाएगा जितना कि वह विधिवत सरकार को या तो ..... या संवेदी.....

(बैंक का नाम) (आयातक का नाम)

द्वारा भुगतान कर देता है और सरकार बैंक को ऐसे भुगतान की लिखित सूचना दे देती है।"

(2) बैंक गारन्टी के पैरा 3 के अन्त में निम्नलिखित परिचयों जोड़ी जाएः—

"और इम खण्ड के अधीन ..... का वायित्र (बैंक का नाम)

के सम्पूर्ण अप्रतिबद्ध एवं अपरिवर्तीय होने में हम ..... बैंक के नाम आयातकों द्वारा उठाये गए किसी भी विवाद या विवादों या किसी न्यायालय या न्यायाधिकरण में किसी भी मुकदमे या कार्रवाई के विचाराधीन होने पर भी यांती गई धनराशि सरकार को देने की प्रतिका करने हैं एवं बचन देने हैं।

#### विविध

40. भारतीय आयातक और फैब सभरकों के बीच यदि किसी प्रकार का इनद्वा होगा तो भारत सरकार किसी प्रकार की जिम्मेदारी नहीं लेती।

41. भारतीय आयातक आयात लाइसेंस के संबंध में उठने वाले किसी एक भासले या भासी भासलों में संविधित सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए किसी भी विवेशी अनुदेशों या अनुदेशों का और फासीसी सरकार तथा फासीसी बैंकों के साथ अहं समझौते के अधीन तभी जारी गया रुपा का तुरन्त पालन करेगा।

42. इसमें निर्धारित किसी भी भासे का किसी प्रकार का उल्लंघन करने या इसे तोड़ने पर आयात तथा नियानि (नियन्त्रण) अधिनियम, 1947 और इसके अन्तर्गत जारी किए गए आवेदनों के अन्तर्गत उचित कार्रवाई को जाएगी।

अनुबन्ध 1  
(पैरा 25/3)

#### बैंक गारन्टी गांधी

सेवा में,

भारत के राष्ट्रपति,

भारत के राष्ट्रपति (जिसे आप सरकार कहा गया है) के हेतु फैब सेडिट की भासी के भासी के अंतर्गत (इसके बाद इसे आयातक कहा गया है) को उम्हीन फैब सेडिट के प्रति जारी किए गए लाइसेंस संख्या ..... दिनांक ..... के अनुसरण में आयातक द्वारा ..... के आयातक के लिए कासीसी फैब में भुगतान करने की व्यवस्था करने के लिए सहमत होते हुए हम ..... उम्हीन फैब सेडिट के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा निर्विल रीति और उपयुक्त लेखा शीर्षक में जमा करने के लिए आयातक द्वारा प्रार्थना करने पर संवेदनिक सूचना संख्या 108-आई टी सी (पी एन)/72 दिनांक 21-7-72 द्वारा भासी विवेश व्यापार मन्त्रालय की मार्वेजनिक सूचना संख्या 15-आई टी सी (पी एन)/72। दिनांक 28-1-72 में दिए गए फार्मूले या रिजर्व बैंक आफ इण्डिया के गोडी० परियत के आश्राम पर या भारत सरकार की सार्वजनिक सूचनाओं द्वारा समय-समय पर यथा अधिसूचित फार्मूले के आधार पर हिमाज लगाकर एफएआई के विनियम की मिली-जुली दर पर परिवर्तित फासीसी बैंक ..... के समतुल्य भारतीय रूपए तथा उसके साथ उपयुक्त दर से परिवर्तित 1% यथा भूल्य की दर से कमीशन तथा अन्य प्रभार और उस पर फासीसी सभरको की भुगतान करने की विधि से लेकर सरकार के लेखों में जमा करने की विधि तक के ममत के लिए प्रथम तीस विवानों के लिए 9% वार्षिक दर एवं इससे अधिक अवधि के लिए 15% वार्षिक दर के हिमाज से भुगतान की सूचना की पावती की विधि से 10 दिन के भीतर जमा करने की व्यवस्था करने का एतद्वारा बचन देते हैं। हम रिजर्व बैंक आफ इण्डिया, नई दिल्ली, स्टेट बैंक आफ इण्डिया, तीस हजारी, शास्त्रा, दिल्ली-6 में सरकार के छाते में निषेप करने की व्यवस्था करेंगे और यह संभव नहीं हो जाने की विधि में स्टेट बैंक आफ इण्डिया, तीस हजारी शास्त्रा, दिल्ली-6। (केवीय सरकार के लेखों में क्रेडिट के लिए) के नाम में और इसकी विवेश दर्शनी हुंडी के माध्यम से व्यवस्था करेंगे। दर्शनी हुंडी (राजकोष जालान विधिवत भरे हुए और प्रेषककर्ता द्वारा हस्ताक्षरित) के साथ आप्रतियों में स्टेट बैंक आफ इण्डिया, तीस हजारी शास्त्रा दिल्ली-6 को सीधे भेजी जाएगी।

2. हम ..... बैंक, इस बात की भी जिम्मेदारी लेते हैं कि आयात इस्तावेजों के पराक्रम सेट की रिहाई आयातक को केवल उभी की जाएगी जब कि उत्तर्युक्त स्पष्टा निषेप किया जा चुका हो।

3. हम ..... बैंक, किसी बकाया धनराशि की जो आयातक द्वारा सरकार को ऐसे स्थान पर और ऐसी रीति से बुकानी हो जैसा कि सरकार निदेश वे तो ऐसी बकाया धनराशि जो ..... रूपए से अधिक नहीं हो या उम्हीन कोई भाग और उस (धनराशि) के साथ, केवल सभरकों की भुगतान की विधि से आयातक द्वारा जितने समय तक यह देय रहे उस पर प्रथम 30 विवानों के लिए 9% वार्षिक दर से और इससे अधिक अवधि के लिए 15% वार्षिक हिमाज से व्याज तथा कमीशन और यथा भूल्य 1% की और से अन्य प्रभारों का आयातक द्वारा भुगतान न करने को बूटी पाई जाते पर हम क्षति-पूर्ति करने का और सरकार को क्षति-पूर्ति के दायित्व से सुकृत रखने का वचन देते हैं। आयातक द्वारा उक्त भुगतान करने की बूटी पर या उसकी तरफ

से हमारे..... बैंक द्वारा  
वेय धनराशि के सम्बन्ध में खुटि होने पर हमारे.....  
बैंक के लिए सरकार का निर्णय अन्तिम और प्रतिवार्य होगा।

4. हम..... बैंक, यह भी बचन देते हैं कि  
हम भारत सरकार के लेके को प्रभावी किए बिना ही सम्बद्ध बैंक की  
अवा किएजाने वाले तार छवें सहित बैंक तथा डाक प्रश्नरों को प्रेरित  
कर देंगे और उम्मीं आयातक ये वसूल कर लेंगे

5. हम..... बैंक, आगे इस बात पर महसूत हैं  
कि मुख्य वित्तिय की अन्तरराष्ट्रीय मौद्रिक तिथि समानता दर में या  
अन्यथा परिवर्तन के परिणामस्वरूप, आयातों के मूल्य में वृद्धि या संविदा  
के अन्तर्गत मामले की शेष सुपुर्वी के मूल्य में वृद्धि की धनराशि का समा-  
योजन इस गारंटी बाण्ड में उसी तिथि से और उसी अनुपान में कर  
दिया जाएगा जब से यह परिवर्तन लागू होगा।

6. हम..... बैंक, इससे भी सहमत हैं कि यह  
गारंटी साज-सामान की सुपुर्वी के विषय में उक्त करार/संविदा के निष्पा-  
दन के समय तक और जब तक इस गारंटी के अधीन या इसकी वजह  
से भारी बकाया धनराशि पूर्णतया नहीं चुका दी जाएगी और हमें इसके  
दावों की सत्तुष्टि या प्रादायणी नहीं कर दी जाएगी, तब तक पूर्ण रूपेण  
लागू और प्रभावी रहेगी।

7. इस गारंटी बाण्ड में निहित जिम्मेवारी आयातक या.....  
..... बैंक के सचठन में कोई परिवर्तन हो जाने पर  
प्रभावित नहीं होगी; और इस गारंटी में प्राप्त जिस धनराशि का भुगतान  
आयातक से कराना है उसको चुकाने के लिए बाध्य करने के लिए सरकार  
को गारंटी को रद्द किए बिना अपने द्वारा प्रयोग करने योग्य किसी भी  
प्रधिकार को किसी समय के लिए या समय-समय पर आयातक के लिए  
विकद्ध प्रयोग करने की पूर्ण स्वतंत्रता होगी और पूर्णकृत मामले के संदर्भ  
में या आयातक को लिए जाने वाले समय के कारण या आयातक को सरकार  
द्वारा उसकी तरफ से किसी अनुग्रह के कारण कोई अन्य स्थगन, कार्य या  
छुट या जिम्मेवालियों से संबंधित कानून के अन्तर्गत किसी अन्य मामले  
से किसी अन्य भी मामले से या किसी भी बात से सरकार के प्रधिकार  
की स्वतंत्रता के कारण.....  
बैंक इस गारंटी के अधीन अपने उत्तरदायित्व से मुक्त नहीं हो जाएगा।

8. हम..... बैंक, अन्त में यह बचन देते हैं कि  
सरकार को लिखित रूप से पूर्व अनुमति के बिना इस गारंटी को  
इसकी बालू प्रतिष्ठि के दौरान रह नहीं करेंगे।

9. इस गारंटी के अन्तर्गत हमारा दायित्व..... रूपये  
(इस पर व्याज प्रधार के माथ दी गई गारंटी की धनराशि के प्रतिशत)  
की दर से अधिक होने की आशा नहीं है। तक प्रतिबंधित है और यह  
गारंटी..... तिन..... (मास) .....

..... 19..... तक लागू रहेगी।

10. ऐसिन, हम एंस प्रतिरिक्ष निक्षेप करने का बचन लेते हैं औं  
समय समय पर अधिसूचित सार्वजनिक सूचना संघर्षः 15-आर्इ दी सी (पीएस)  
/72 दिनांक 28-1-72 की शर्तों के अनुसार आवश्यक हो। जब तक  
इस गारंटी के अन्तर्गत इस तिथि के छह मास के भीतर लिखित रूप में  
दावे नहीं किए जाते और इसके बाद जैसे..... तक  
प्रगति छह मास के भीतर जब इन दावों को क्रियान्वित करने के  
लिए कोई मुकद्दमा नहीं चलाया जाता तो कोई कारंबाई नहीं की जाती  
तो इस गारंटी के अन्तर्गत सरकार के सभी प्रधिकार, समाप्त हो जायेगे।  
और हम उनमें निहित सारे वायित्वों से छुटकारा पायेंगे और मुक्त  
हो जायेंगे।

श्री..... दिन व तारीख.....  
(नाम और ओहवा)

द्वारा..... कुने.....

भारत के राष्ट्रपति के लिए  
उनकी ओर से स्वीकृति।

हस्ताक्षर.....

\* यह राशि संविदा के मूल्य के लिए मिली-जुली दर जो 1. एक एक  
1. 822 रुपये है उसमें 1 प्रतिशत को जोड़कर ही मिलायी जानी चाहिए।

\*यह तिथि जिस तिथि को सभरको के लिए सभी प्रकार के भुगतान  
पूर्ण होने की संभावना है, उसमें एक मास जोड़ते हुए निश्चित की जाएगी।

टिप्पणी: यह स्टाम्प नेपर, जिसमें यह गारंटी कार्यान्वित होने वाली  
है, उसे कलकटर द्वारा निर्णित किया जाना है।

अनुबन्ध—2  
(तीन प्रतियों में)  
नों 25(4)

सेवा में,

सचिव,  
वित्त मंत्रालय, प्रार्थक कार्य विभाग,  
दस्तूर ई-1 अनुभाग, नार्थ स्लाक,  
नई रिस्ली-1

विषय:—फान्स अंग 1977-78 के अन्तर्गत आयात।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित क्रेडिट के अन्तर्गत फान्स से—

(मास तथा सेवाओं का संक्षिप्त-विवरण)

का आयात करने के सम्बन्ध में हम निम्नलिखित घोरा देते हैं:—

(क) आयातक का नाम और पता.....

(ख) आयात लाइसेंस .....

(1) संख्या.....

- (2) दिनांक .....  
 (3) घनराशि .....  
 (ग) फेन्च संभरक का नाम और पता .....  
 (घ) संविदा का दिनांक .....

अथवा

आदेशों की स्वीकृति के संभरकों के अन्तिम पत्र का दिनांक

- (ङ) गैर-फासीसी मर्म के माल की प्रतिशतता, यदि कोई हो  
 (अब फांस में निर्मित किया गया हो )  
 (च) मंविदा का मूल्य कासीसी फेन्चों में पीत पर्यंत निःशुल्क कीमत  
 (घटा) भारतीय एजेन्ट का कमीशन, यदि कोई हो, कुल जहाज पर्यंत निःशुल्क  
 मूल्य + माड़ा—

लागत तथा भाड़ा कीमत + बीमा यदि फ्रैड ० में चुकाया गया हो—

ऋण के अन्तर्गत विस बान की जाने वाली कुल लागत-बीमा-भाड़ा कीमत—

- (क) (1) पोतलवान की लियिंग या वे लियिंग जिनको सेवा कार्य पूर्ण किए जाएंगे,  
 (2) संविदा में यथा निर्धारित, प्रत्येक पोतलवान या पूर्ण किए गए सेवा कार्य का मूल्य

- (ज) वह तिथि जिसको इस संविदा के अन्तर्गत भुगतान देय होगा—

(1) अग्रिम भुगतान के सम्बन्ध में (जहाज पर्यंत निःशुल्क मूल्य का कम से कम ५ प्रतिशत) ।

(2) अन्य भुगतान

2. मंविदा की [अथवा प्रत्येक आदेश तथा स्वीकृति पत्र की (और संशोधन) यदि कोई हों] की 10 साखांकित प्रतिया और आयात लाइसेंस की दो फोटो स्टेट प्रतियां संलग्न की जाती हैं।

\*3. एक बैंक गारन्टी जो— केवल निजी क्षेत्र के आयातकों के लिए लागू है।

(विवेशी भुद्वा देने के लिए प्राधिकृत भारतीय निर्धारित बैंक का नाम और पता)

द्वारा स्थापित की गई है और जो स्टम्प अधिनियम, 1899 की द्वारा 31 के

अनुसार स्टाम्प क्लीक्टर द्वारा स्थायनिष्ठ की गई है वह भी संलग्न है।

या

\*3. आयात प्रत्येक (स्टेट बैंक आफ इण्डिया की शाक्ता या राष्ट्रीयकृत 14 बैंकों में से) सार्वजनिक क्षेत्र प्रक्रमों और राज्य विषयत बोर्ड सहित राज्य सरकारों किसी बैंक का पूरा नाम और पता—

को भेजा जा सकता है जो सार्वजनिक सूचना संख्या: 108-प्राई टी सी (पी एन)/72, दिनांक 21-7-72 द्वारा संशोधित सार्वजनिक सूचना संख्या 15-प्राई टी सी (पी एन)/72, दिनांक 28-1-1972 या समय-समय पर भारत सरकार द्वारा यथा अधिसूचित सार्वजनिक सूचनाओं या रिजर्व बैंक आफ इण्डिया द्वारा अधिसूचित ए० डी० परिपत्रों में दिए गए फार्मूले के आधार पर लगाए गए परिवर्तन की मिली-जुली दर पर परिणित समतुल्य रूपए और फेन्च संभरक को भुगतान करने की तारीख से समतुल्य रूपये जमा करने की तारीख तक ६ प्रतिशत वार्षिक की दर से व्याज और लाइसेंस शर्तों की कोडिका 15 के अन्तर्गत यथा अधिसूचित यथा मूल्य की दर पर एक प्रतिशत कमीशन और आनुषंगिक प्रभारों (प्रलेखीय प्रभारों के एक प्रतिशत का 1/8 और उस पर 17. 60 प्रतिशत की दर से कर वृद्धि वास्तविक आक प्रभारों के लिए छर्च) के साथ सरकार के लेवे में जमा करने के केवल आदही हमें प्रत्येक रिहा करेंगे।

या

\*3. सौदों से मामूलित ऋण और— केवल केन्द्रीय सरकार के विभागों के लिए लागू

(लेखा अधिकारी का पदनाम और पूरा डाक पता) के लेखों में समंजनीय ऋण के विषय में हम यह मुनिषित करेंगे कि वह लाइसेंस शर्तों के अनुसार मांगे जाने ही समंजित किया गया है।

\* (जो लागू नहीं है उसे हटा दीजिए)

4. आप से अनुरोध है कि फेन्च क्रेडिट के अल्पगत वित्तदान करने के लिए मंविदा अनुमोदित करा ने और संभरकों को मीषे भुगतान की व्यवस्था करने के लिए फेन्च प्राधिकारियों को आवश्यक प्राधिकारण पत्र जारी करें।

## दस्तावेजों की निर्दर्शी सूची

(२८)

१. पोतलवान किए गए उपस्कर के मूल्य तथा किसी भी नक्षण भुगतान के बिंदु, जैसा भी मामला हो, के लिए वाणिज्यक बीजक।
२. जहां लाग् हो पैकिंग सूचियों सहित समुद्री मार्ग शेबाक बिलो या चार्टर पार्टी पोतलवान बिलो या वायुमार्ग बिलो जैसा भी मामला हो, का पूरा मेट, यदि कोई प्रमाणपत्र सविदा में निर्धारित किया गया हो तो वह।
३. आवश्यक सीमा शुल्क दस्तावेजों सहित सभरको द्वारा निखित प्रमाण-पत्र, यह प्रमाणित करते हुए कि कानून सभरक द्वारा प्राधिकृत विदेशी व्यय वी प्रतिशतना का फास सभरको ने अनुपालन किया है।
४. अन्य कोई दस्तावेज़।

प्रनुबन्ध—४

कठिका (३९)

फेन्च फेन्क

दिनांक

के लिए फेन्च क्रेडिट के अन्तर्गत वित्त युक्त किए गए लाभों के पूर्ण होने के तुरन्त बाद ही आयातक के बैंक द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाला प्रपत्र

(१) आयातक का नाम—

(२) आयात लाइसम की संख्या—

दिनांक

धनराशि

(३) बी जी संख्या—

(निजी क्षेत्र के आयातक द्वारा पूर्ण किया जाना है)

(४) वित्त मंशालय के अनुदेश पत्र की संख्या—

दिनांक

(५) फेन्च फेन्क में अनुवेश पत्र की धनराशि

ऋग्म फेन्च बैंक द्वारा फेन्च सभरको को फेन्च बैंक द्वारा संभरक को कालम २ में दर्शाई गई धन- १ प्रतिशत आनुषंगिक प्रभार सभरक को भुगतान की तारीख से रपए जमा स० भ्रदा की गई धनराशि फेन्च फेन्क भुगतान करते की तारीख राशि के बराबर हुआ।

प्रतिशत आनुषंगिक प्रभार सभरक को भुगतान की तारीख से रपए जमा करने की तारीख तक के बीच पट्टे बाले दिनों की संख्या (दोनों दिनों को जोड़ कर)

1. \_\_\_\_\_ 2. \_\_\_\_\_

3. \_\_\_\_\_

4. \_\_\_\_\_

5. \_\_\_\_\_

6. \_\_\_\_\_

1.

2.

3.

4.

5.

6.

7.

कुल

द्वाज की धनराशि वास्तविक तिरा गण कुन्न निश्चय रैट बैंक आफ इण्डिया/रोम हजारी/रिजर्व बैंक प्राधिकृत किन्तु अप्रयुक्त धनराशि और जो न आफ इण्डिया, नई दिल्ली के राजवाप्र चालान की रामाप्त हो गई हो (5) और कालम 2 का अन्तर सर्वा एवं दिनांक

7

8

9

10

- (1) उपर्युक्त जानकारी हमारे रिकार्ड से जांच ली गई है और गही पाई गई है।  
 (2) उपर्युक्त अनुदेश पत्र के अन्तर्गत फेन्च बैंक के मध्ये विविध बैंक प्रभाग प्रेषित कर दिए गए हैं।  
 (3) चूंकि हमारे बी जी संख्या \_\_\_\_\_ दिनांक \_\_\_\_\_ के अनुसार मध्ये दायित्व पूरे कर दिए गए हैं हमनिए बी जी को कृपया मुक्त कर दिया जाए।

बैंक के प्राधिकृत प्रधिकारी के दस्तावेज  
क० वे शेषांकि, मूल्य नियंत्रक

**MINISTRY OF COMMERCE CIVIL SUPPLIES &  
COOPERATION**  
**(Department of Commerce)**

**PUBLIC NOTICE NO. 37-ITC(PN)/78**

New Delhi, the 1st June, 1978

**IMPORT TRADE CONTROL**

**Subject.—Licensing conditions applicable to import licences issued under French Credit for 1977-78.**

**F. No. IPC/39/9/76.**—The terms and conditions governing the issuance of import licences under 1977-78 French Credit as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

**APPENDIX TO PUBLIC NOTICE NO. 37-ITC(PN)/78**

**DATED 1-6-78**

**I. IMPORT LICENCE**

1. The import licence will be issued on CIF basis, with initial validity period of four months for contracting and twelve months for completing shipments. However, in the case of capital goods imports, the initial validity of the licence for completing shipments will be twenty four months from the date of issue.

2. The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)/74 dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s).

248 GI/78—2

3. Each import licence will bear a superscription, "French Credit—Project Portion" or "French Credit Non-Project Portion" as the case may be. The two suffixes in the licence code classification number will be—for project—"S/F" and for non-project "S/FN".

4. Within a fortnight of the receipt of the import licence, the importer should intimate to the Department of Economic Affairs (WE-I Section) the fact of receipt of the import licence indicating the number, date and value of the import licence and likely date by which the contract documents would be furnished.

5. The condition regarding contracting will not be deemed to have been complied with unless complete contract documents, as provided in para 25 below, are furnished within the stipulated period of four months.

6. Where this stipulation is not complied with within four months the import licence will be deemed to have become invalid. The import licence may, however, be revalidated on an application by the party, along with the licence in original, to the licensing authority giving reasons for not complying with the requirement in time.

7. Such request for revalidation would be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence, such proposals will invariably be referred by the licensing authorities to the Department of Economic Affairs (WE-I Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi.

**II. CONTRACTING**

8. Against an import licence issued under the French Credit only one contract on the basis of firm price has to be entered into with the French supplier.

9. However, more than one contract under one import licence may be entered into subject to the permission specifically obtained from the Department of Economic Affairs, giving reasons for doing so, before placing orders.

10. Once a contract has been notified, in accordance with the procedure laid down in Section V below, no amendments to the contract, by way of additions thereto exceeding 10 per cent of the value of the main contract will be entertained.

If, in any case, the Indian importer apprehends that there will be need to enter into amendments to the main contract resulting in the enhancement of its value by more than 10 per cent, he should immediately inform the CCI&E and WE-I Section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance of the full facts of the case and seek their guidance.

11. A contract will normally comprise an Agreement signed by both the parties viz., the Indian importer and French supplier or it may comprise the order placed by the Indian importer and the letter of acceptance thereof in unequivocal terms by the French supplier.

12. A contract comprising a series of correspondence between the two parties frequently amending/revising various provisions will not be accepted. In such cases, it shall be necessary to prepare a final document including therein the terms agreed to by both the parties and signed as such. Orders on Indian Agents of overseas supplier and/or order confirmation by such Indian Agents are not acceptable.

### III. TERMS OF CONTRACT

13. The contract should be placed on C.I.F. basis. If insurance is paid to an Indian Insurance company in Indian rupees, the contract can be placed on C&F basis which is in any case compulsory for contracts signed by a government agency or a public sector undertaking. The contract should clearly indicate FOB price, freight and insurance charges separately in the case of C.I.F. contracts and the FOB price and freight charges in the case of C&F contracts.

If any importer desires to enter into a contract on F.O.B. basis, he should seek prior permission of the Department of Economic Affairs (WE-I Section), Ministry of Finance, New Delhi giving reasons for doing so.

14. If any commission is to be paid to the Indian agent of the French suppliers, it will be shown separately from the value of the contract the French Francs. The Indian agent's commission will be paid in India in rupees but will be charged to the value of the import licence.

15. The rupee value of the contract will be determined in accordance with the rate of exchange applicable to the import licence vide para 2 above.

#### Value Limits of Contracts :

16. The value of each contract should not fall below the amount indicated against each category as under :—

	F.R.
(i) Large (heavy) Industrial Projects and Projects for heavy equipment (Projects Line)	5,000,000
(ii) Capital Goods Project (Line)	300,009
(iii) Fertilizers (Non- Project)	500,000
(iv) Other goods (Non-project Line)	60,000

#### Origin of Goods :

17. The goods should be of French origin. A stipulation as to the origin of goods should be incorporated in the contract. Wherever a part of the goods is permitted to be of non-French origin, a letter evidencing approval of the French authorities to the third country imports should accompany the contract.

#### Port of Shipment :

18. Goods, if necessary, can be shipped from non-French ports.

#### Payment Terms :

19. The French Credit does not provide for deferred payments. Full payment will therefore be made to the French supplier against shipment/completion of erection/commissioning of the plant as indicated in the following paragraphs.

20. Advance payments.—An advance payment of at least 5 per cent of the FOB price of the supplies to be paid at the time of the contract coming into effect, must be provided. Other terms settled between the buyers and the sellers, in accordance with the normal international commercial practice for the particular type of goods concerned could also be provided.

21. However, where an amount higher than 5 per cent is to be provided for payment as an advance, prior approval of the Department of Economic Affairs should be obtained with full justification, before any commitments are made.

22. Other Payment : (a) Industrial Projects.—apart from the amount of down payment, it is permissible to pay the balance amount at the time of last shipment of equipment under the contract, or at the time of completion of erection, or on commissioning of the plant.

Where the nature of supplies/services covered by the contract requires a performance guarantee, necessitating a provision to the effect that the last instalment of 10 per cent shall not fall due prior to the end of an adequate period after completion of the deliveries of goods or of the project, the importer could alternatively, agree to the provision for making hundred per cent payment at the time of last shipment subject to the condition that a performance guarantee of an approved bank is furnished by the French supplier to the Indian importer; such a guarantee should be discharged at the end of an adequate period after the delivery of the last shipment as agreed mutually between the Indian importer and French supplier.

However, depending on the type of project, the payment for contract for industrial projects may also be provided for, as for the commodities, referred to in sub-paragraph (b) below.

(b) Commodities.—In the contracts, for commodities (light equipment, spares, components, chemicals, fertilizers, other raw materials, etc.) the amount left after down payment will be payable prorata according to the value of goods covered by each shipment, on the basis of the shipping schedule.

#### Other Conditions :

23. To make a contract eligible for financing under the French Credit it should suitably incorporate the following provisions, apart from those indicated above as also any other condition considered necessary by the contracting parties :—

(i) The two contracting parties agree that the contract is subject to the approval of the Indian and French authorities for financing under the French Credit in terms of the Indo-French Financial Protocol and the licensing conditions issued thereunder by the Government of India.

(ii) The French supplier agrees that he will be paid in French Francs on presentation of documents to the Banque Francaise du Commerce Exterieur, Paris, on the basis of a "Letter of Instructions" issued by the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance after approval of the contract by the Indian and French authorities.

(iii) The Indian importer and the French supplier agree to furnish such information and documents as may be required under the French Credit arrangements between the Governments of India and France.

**Customary Guarantee :**

24. The importer may arrange and provide for in the agreement customary guarantee(s) which may be necessary for safeguarding his interest.

**IV. SUBMISSION OF CONTRACT DOCUMENTS**

25. Within 20 days of the conclusion of the contract, the importer should send a letter accompanied by the following documents to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (WE-I Section), North Block, New Delhi:—

- (i) Ten certified copies of the contract and of any further amendment(s) duly executed in English language with dated signatures thereon by both the Indian importer and the French supplier.
- (ii) Two photo copies of import licence valid for contracting on the date of execution of the contract/acceptance by French supplier of the order placed on him by the importer.
- (iii) A bank guarantee (as in Annexure-I) obtained from a schedule bank authorised by the Reserve Bank of India to deal in foreign exchange. This bank guarantee is not to be furnished by the Government Departments and public undertakings.

In cases of imports under "Project Credits", the Bank Guarantee referred to in Annexure-I furnished by the bankers of the importers may be amended:

- (i) Insert the following clause as sub-para 2 of the para 9:

"The liability of the \_\_\_\_\_ under \_\_\_\_\_ (Name of the Bank)  
this bank guarantee shall, however, stand reduced  
to the extent the payment's are duly made to  
the Government either by the \_\_\_\_\_ (Name of  
the M/s. \_\_\_\_\_ or the M/s. \_\_\_\_\_  
the bank) \_\_\_\_\_ (Name of the Importers)  
and the Government advises the bank in writing  
the acceptance of such payments".

- (ii) The following lines may be added at the end of para 3 of the bank guarantee:

".....and that we, \_\_\_\_\_ (Name of the Bank)  
undertake and promise to pay the Government  
the amount demanded notwithstanding any dispute  
or disputes raised by importers or any  
suit or proceedings pending in any court or  
tribunal the liability of the \_\_\_\_\_ (Name of the bank)  
under this Bond being absolute, un-conditional  
and irrevocable."

- (iii) Other particulars stipulated in Annexure-II in triplicate. The contract will be processed further only after all these documents have been furnished by the importer.

**V. NOTIFICATION OF CONTRACT**

26. The contract will be notified by the Department of Economic Affairs, to the Counsellor for Economic Affairs, Embassy of France, New Delhi, provided the contract is complete, the documents, including the bank guarantee, etc. are in order, the import licence is valid for contracting and is considered eligible for financing under the French Credit.

27. The contract will be deemed to have become effective 20 days after its notification as above by the Department of Economic Affairs, provided no objection is raised by the Embassy of France within that period.

**VI. METHODS OF PAYMENTS**

28. Payments are made to the supplier from the French treasury loan and the banks credit, on presentation of documents listed in Annexure-III to Banque Francaise du Commerce Exterieur Paris on the basis of a "Letter of instruction" to be

issued by the Controller of Air Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi, on effectuation of the contract.

29. No remittance from India are permissible under the import licence issued under the French Credit, except in terms of condition 31 below.

30. Immediately after payments have been effected in accordance with the letter of instruction referred to above, the original set of documents (negotiable), alongwith details of bank charges (1/8 h of one per cent documentation charge, plus tax @ 17.6 per cent thereon) and expenses on postages etc. will be sent by the Banque Francaise du Commerce Exterieur to:—

- (i) the importer's bank in India, which has provided the bank guarantee in the case of importers in the private sector; or
- (ii) to the nominated branch of the State Bank of India, or of any one of the fourteen nationalised banks as indicated in the Letter of Instruction in the case of public sector undertakings, State Governor's including State Electricity Boards; and departments of the Central Government.

31. Within a week of receiving the intimation about bank charges from the Banque Francaise du Commerce Exterieur Paris, the Indian bank will remit the amount of banking charges and postage including cable charges directly to the French bank concerned without affecting Government of India's account.

32. For this purpose, necessary rupees will be collected by the Indian bank from the Indian importer, in addition to the amount required under their guarantee.

33. In respect of imports by Central Government Departments also, the remittances of banking charges and postage including cable charges will be arranged direct by the bankers of the Central Government departments to whom the documents are sent.

**VII. EFFECTING RUPEE DEPOSITS**

34. (i) Private Sector importers, public sector undertakings and State Government Departments including State Electricity Boards: Within ten days, at the maximum of receipt of the documents mentioned in condition 30 supra, the bank which has issued the guarantee, or the nominated branch of the State Bank of India or the nationalised banks will arrange the deposit of rupee equivalent of the payments made to the foreign suppliers as indicated in the invoice together with commission and incidental charges @ 1 per cent ad valorem on the payments made to the suppliers. In addition, interest on the above at 9 per cent per annum for first thirty days and at 15 per cent per annum for the period in excess thereof in terms of Public Notice No. 46-ITC(PN)/76 dated 16-6-1976 for the actual period between the date of payment to the foreign suppliers and the date of deposit of rupee equivalent etc. of any other amounts, as may be required by the Government of India shall also be paid into the government account.

The rupee equivalent will be calculated at the composite rate arrived at on the basis of the formula given in Public Notice No. 15-ITC(PN)/72 dated 28-1-72 as amended by the Public Notice No. 108-ITC(PN)/72 dated 21-7-1972, Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-76 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the Chief Controller of Imports and Exports.

(ii) Central Government Departments: In respects of imports made by the departments of Central Government also the documents mentioned in para 30 supra will be sent direct to their bankers. These banks will, in turn, ensure that the Departments makes the rupee deposits at the RBI, New Delhi or S.B.I. Tis Hazari Branch or through a Demand Draft drawn on and made payable to the SBI Tis Hazari for credit to Government of India through Challan in the form prescribed in Public Notice No. 74 IT-C(PN)/74

dated 31-5-1974 under intimation to the Controller of Aid Accounts & Audit (vide para 36) below). The Head of Account to be credited is "843—Civil Deposits—Deposits for purchases etc. from abroad—Deposits under French Credit for 340 million French Francs for 1977-78". The provision regarding payment of interest will not apply to Central Government departments.

35. It will be the responsibility of the concerned bank in India which has given the guarantee or the State Bank of India or one of the fourteen nationalised banks as the case may be, to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before the original shipping documents are handed over to the importer.

36. Deposits may be made either at the Reserve Bank of India, New Delhi, or the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 or remitted by means of a demand draft from the local branch of the State Bank of India, or its subsidiaries, drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (drawee and payee) for credit to the Central Government account in terms of Ministry of Commerce Public Notice No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-1968 and Public Notice No. 233-ITC(PN)/68 dated 14th October, 1968 as amended by Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-75. The challan should inter alia, indicate letters of instructions No. and date, the amount of foreign exchange the composite rate applied the date on which the supplier was paid and the date of rupee deposit and all other essential particulars prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-71 and Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-74. The principal amount, the incidental charges @ 1 per cent ad valorem and the interest payment at 9 per cent 15 per cent in terms of Public Notice No. 46-ITC(PN)/76 dated 16-6-76 should be shown separately alongwith the period for which interest has been calculated. While working out the interest, it will be on the principal amount plus incidental charges at 1 per cent ad valorem. The demand draft should be sent direct to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 with treasury challan, (duly filled in and signed by remitter) in quadruplicate. The Head of Account to be credited is "K-Deposits & Advances (b) deposits not bearing interest—843—Civil Deposits for purchases from abroad under 340 million FF French General Credit, 1977-78".

37. One copy of the treasury challan and form evidencing the rupee deposits duly received by the Reserve Bank of India, or the State Bank of India Tis Hazari Branch Delhi-6, or intimation regarding the furnishing of demand draft to State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 should be sent by registered post by the bank concerned to the Controller of Aid Accounts & Audit indicating reference to the letter of instruction issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents. In accordance with Note 1 under the latest format of the treasury challan the date of posting the demand draft will be deemed to be the date of deposit of rupee equivalent in the Government account. To ensure recovery of interest from importers for the correct period it is essential that the date of posting of the demand draft is invariably intimated to CAA&A in each case.

38. It will be obligatory for the importer to make the requisite rupee deposits through Authorised dealers only. The Indian bank will also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the import licence and send the requisite 'S' form to the Reserve Bank of India, Bombay.

#### Review of Rupee deposits made by the importer:

39. As soon as the shipments are completed, but not later than one months after the last shipment is cleared, a statement in the form given in Annexure-IV will be rendered by the importer's bank to the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi under a registered cover, under advice to the importer. It will be obligatory on the part of the importer to ensure that Annexure IV is correctly prepared by the Bank concerned and is rendered to the Controller of Aid Accounts & Audit within one month of the completion of shipments authorised in the relevant Letter of Instructions.

Any short deposits coming to notice of importers' banks or pointed out by the CAA&A will be immediately made good and a copy of the relevant receipted treasury challan forwarded to CAA&A for closing the importers' account.

In case of imports under "Project Credits", the Bank Guarantee referred to in Annexure-I furnished by the bankers of the importers may be amended :

(i) Insert the following clause as sub-para 2 of para 9:

"The liability of the \_\_\_\_\_ under this Name of the Bank

bank guarantee shall, however, stand reduced to extent the payments are duly made to the Government either by the \_\_\_\_\_ or the M/s. \_\_\_\_\_ and the Gov-

Name of the Importers

Government advises the bank in writing the acceptance of such payments".

(ii) The following lines may be added at the end of para 3 of the bank guarantee:

".....and that we, \_\_\_\_\_ Name of the Bank

undertake and promise to pay the Government the amount demanded notwithstanding any dispute or disputes raised by importers or any suit or proceedings pending in any court or tribunal, the liability of the \_\_\_\_\_ under this

Name of the Bank

Bond being absolute, un-conditional and irrevocable".

#### VIII. MISCELLANEOUS

40. The Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, which may arise, between the Indian importer and the French Suppliers.

41. The Indian importer shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by Government from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the credit agreement with the French Government and French banks.

42. Any breach or violation of any of the condition prescribed herein will result in appropriate action under the Import and Exports (Control) Act, 1947 and orders issued thereunder.

#### ANNEXURE-I

##### [Para 25 (iii)] BANK GUARANTEE BOND

To

The President of India,

In consideration of the President of India (hereinafter called the Government) have agreed to arrange for payment in FF for the import of \_\_\_\_\_ by \_\_\_\_\_ under the terms and conditions of the French Credit and in pursuance of Import Licence No. \_\_\_\_\_

issued on \_\_\_\_\_ in favour of the importer against the above mentioned credit, We \_\_\_\_\_ Bank, at the request of the importer hereby undertake to arrange to deposit within ten days of the receipt of the advice of payment Indian rupee equivalent to FF \_\_\_\_\_ converted at the composite rate

of exchange of FF 1 arrived at on the basis of the formula given in Public Notice issued by the Ministry of Foreign Trade, New Delhi, No. 15-ITC(PN)/72 dated 28-1-72 as amended by Public Notice No. 108-ITC(PN)/72 dated 21-7-72 or as notified from time to time in public notices of the Government of India or A.D. circulars of the Reserve Bank of India alongwith commission and other charges at 1 per cent ad valorem converted at the above rate for credit to the Government account in the manner and against the appropriate Heads of Account as indicated by the Government of India under the said credit, together with interest thereon at the rate of 9 per cent per annum for the first thirty days and at 15 per cent per annum for the period excess thereof reckoned from the date of payment to the French Supplier to the date of deposit of rupee equivalent for credit to the Government account. We shall arrange the deposit to the credit of the Government in the Reserve Bank of India, New Delhi/State Bank of India, Tis Hazari Branch Delhi-6, or where this may not be feasible by means of a Demand Draft drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (for credit to Central Government Account). The demand draft shall be sent direct to State Bank of India, Tis Hazari Branch Delhi-6 alongwith Treasury Challan (duly filled in and signed by remitter), in quadruplicate.

2. We the \_\_\_\_\_ Bank, also undertake that the negotiable set of import documents will be released to the importer only after the rupee deposits contemplated above have been made.

3. We the \_\_\_\_\_ Bank, also undertake to indemnify and keep indemnified the Government against any default in payment by the importer of any sum that may be due and payable from time to time by the importer to the Government at such place and in such manner as the Government may direct, such sums not exceeding Rs. \_\_\_\_\_ or any part thereof, for the time being due and payable by the importer together with interest thereon at the rate of 9 per cent per annum for the first thirty days and at 15 per cent per annum for the period excess thereof reckoned from the date of payment to the French supplier and commission and other charges @ 1 per cent ad valorem. The decision of the Government as to any default in the said payment by the importer, or on his part and in regard to the amount payable to the Government by us \_\_\_\_\_ Bank, shall be final and binding on us \_\_\_\_\_ Bank.

4. We \_\_\_\_\_ Bank also undertake to remit the banking and postal including cable charges payable to the French bank concerned and recover the same from the importer without affecting the Government of India account.

5. We \_\_\_\_\_ Bank further agree that in case of increase in the value of imports or increase in the value of unfulfilled deliveries under the contract as a result of change in composite rate of exchange or otherwise, the amount of this guarantee bond will be adjusted to this change.

6. We \_\_\_\_\_ Bank, further agree that the guarantee herein contained shall remain in full force and effect during the period that would be taken for the performance of the said agreement/contract

regarding delivery of the equipment and that it shall continue to be enforceable till all the dues to the Government under, or by virtue of this guarantee have been fully paid and its claims satisfied or discharged.

7. The Guarantee herein contained shall not be affected by any change in the constitution of the importer or the \_\_\_\_\_ Bank and the Government shall have the fullest liberty without the guarantee to postpone for any time and from time to time any of the powers exercisable by it against the importer and either to enforce payment by the importer of any of the amount the payment whereof is intended to be hereby secured and the \_\_\_\_\_ Bank, shall not be released from its liability under this guarantee for any exercise of the Government of the liberty with reference to the matter aforesaid or by reason of time being given, to the importer or any other forbearance, act or omission on the part of the Government of any indulgence by the Government to the importer or by any other matter or thing whatever which under the law relating to sureties shall but for this provision, have the effect of so releasing the \_\_\_\_\_ Bank from its such liability.

8. We, \_\_\_\_\_ Bank, lastly undertake not to revoke this guarantee during its currency, except with previous consent of the Government in writing.

9. Our liability under this guarantee is normally restricted to Rs. \_\_\_\_\_ @ (plus interest charges not expected to exceed one per cent of the guaranteed amount) and this guarantee shall remain in force till the \_\_\_\_\_ day \* of \_\_\_\_\_ (Month) 19\_\_\_\_\_.

10. We, \_\_\_\_\_ however, undertake to make such additional deposits as may be necessary in terms of Public Notice No. 15-ITC(PN)/72, dated 28-1-1972, as notified from time to time. Unless claims under this guarantee are made in writing within six months of this date and unless a suit or action to enforce these claims is commenced within another six months thereafter, i.e. upto \_\_\_\_\_ all rights of the Government of India under this guarantee shall be forfeited and we shall be relieved and discharged from all liability thereunder.

Dated \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_  
for \_\_\_\_\_

Accepted for and on behalf of the President of India  
by Shri \_\_\_\_\_  
(Name and Designation)  
Signature \_\_\_\_\_

@ This amount should be worked out by adding 1 per cent to the value of the contract at the customs exchange rate prevailing on the date of issue of import licence.

\*This date shall be arrived at by adding one month to the date by which all payments to the Suppliers are expected to be finalised.

Note : The value of the Stamped paper on which guarantee is to be executed is to be adjudicated by the Collector of Stamps.

To

The Secretary,  
Ministry of Finance,  
Department of Economic Affairs,  
E-I Section, North Block,  
New Delhi-1.  
Subject :—Import under the French Credit 1977-78.

Sir,

In connection with the import of \_\_\_\_\_

(short description of the goods or services)

from France under the above credit, we furnish the following particulars :—

(a) Name and Address of importer.

(b) Import Licence :

- (i) Number
- (ii) Date
- (iii) Amount

(c) Name and Address of the French Suppliers :

(d) Date of the Contract :

OR

Date of Suppliers Final letter of acceptance of the order

(e) Percentage of goods of non-French origin, if any (now-manufactured in France).

(f) Value of the contract in French Francs

FOB Price

less Indian agent's commission if any.

Net FOB Price plus Freight

C &amp; F Price

plus Insurance, if paid in French Francs

Total CIF price to be financed under the credit.

(g) (i) Dates of Shipment or on which services will be performed.

(ii) Value of each shipment or service performed, as stipulated in the contract.

(h) The date on which payments under the contract will fall

(i) in respect of advanced payment (at least 5% of FOB value).

(ii) Other payments.

2. Ten certified copies of the contract (or each of the order and the letter of acceptance and of the amendment (if any), and two photostat copies of the import licence are enclosed.

\*3. A bank guarantee established by \_\_\_\_\_

(name and address of the Indian bank, authorised to deal in foreign exchange)

Applicable to importers in private sector.

and which has been duly adjudicated by the Collector of stamps, in accordance with Section 31 of the Stamp Act, 1899 is also attached

OR

\*3. the import documents may be sent to the \_\_\_\_\_

(Complete name and postal address of the branch of State Bank of India or of any of the fourteen nationalized banks

Applicable to the Public Sector Undertaking and State Govts. including State Electricity Boards.

who will release the documents to us only after making the deposit of the rupee equivalent into Govt. account calculated at the composite rate of exchange arrived at on the basis of formula given in Public Notice No. 15-ITC (PN)/72 dated 28.1.72 as amended by Public Notice No. 108ITC(PN)/72, dated 21-7-72 or as notified from time to time by public notices of the Government of India or by A.D. Circulars of the Reserve Bank of India with interest at 6% per annum from the date of payment to the French Suppliers to the date of deposit of rupee equivalent and commission and incidental charges at 1% ad valorem and after remitting banking charges (1/8th of one per cent documentation charges plus tax @ 17.60% thereon) and expenses for actual postage charges as required under the licensing conditions.

OR

\*3. Debits relating to the transactions and adjustable in the books \_\_\_\_\_

(Designation &amp; Complete postal address of the Accounts officer)

Applicable only to Department of Central Government.

and we shall ensure that they are adjusted as soon as they are raised in terms of the licensing conditions.

(\*) Delete whichever is not applicable.

4. You are requested to get the contract approved for financing under the French Credit and issue necessary authorisation to the French authorities to arrange for payments to the suppliers or their bankers.

Yours faithfully,  
Licensee

## ILLUSTRATIVE LIST OF DOCUMENTS

(Para 28)

1. Commercial invoice for the value of equipment shipped and for details of any down payments, as the case may be.
2. Complete set of clean-on-board ocean or charter party bills of lading or airway bills, as the case may be, with packing lists where applicable ; certificate, if any prescribed in the contract.
3. Written attestation from the suppliers alongwith necessary customs documents, certifying that the French suppliers have complied with the percentage of Non-French expenses authorized by the French Government.
4. Any other documents.

ANNEXURE-IV  
(Para 32).

Form to be submitted by Importer's Bank immediately after the completion of shipments financed under French Credit for FF  
dated \_\_\_\_\_ for \_\_\_\_\_

- (i) Name of Importer \_\_\_\_\_
- (ii) Import Licence No. \_\_\_\_\_
- (iii) B.G. No. \_\_\_\_\_ Date \_\_\_\_\_ Amount \_\_\_\_\_ (To be completed by Private Sector importer).
- (iv) [Ministry of Finance letter of Instruction No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_
- (v) Amount of Letter of Instruction in FF \_\_\_\_\_

Sl. No.	Amount paid by French Banks to French Suppliers F.F.	Date of payment by the French Bank to Supplier	Rupee equivalent of the amount in Col.2	1% incidental charges	No. of days intervening between the date of payment to supplier to the date of rupee deposits (both days inclusive)
1	2	3	4	5	6
(i)					
(ii)					
(iii)					
(iv)					
Total					

Amount of interest	Total deposit actually made	SBI/Tis Hazari RBI/New Delhi Treasury Challan No & Date	***Amount authorised but no utilised and lapsed (Difference (v) & Col.2)
7	8	9	10
(i)			
(ii)			
(iii)			
(iv)			
Total			

- (i) The above information has been checked from our records and found correct.
- (ii) All Miscellaneous banking charges of the French Bank under the above LI have been remitted direct to them.
- (iii) As all obligations in transfer of our B.G.N. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_ have been discharged the B.G. may please be released.

Signature of Authorised Officer of the Bank.  
K.V. Seshadri, Chief Controller Import & Export.

